भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2275
19/12/2025 को उत्तरार्थ

विषय: नींबू उत्पादक किसानों को सहायता

2275. श्री मेदा रघुनाधा रेड्डी

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को आंध्र प्रदेश में, खासकर रायलसीमा क्षेत्र में, नींबू की अत्यधिक मांग और ऊंची कीमतों के बावजूद भीषण गर्मी के कारण नींबू की पैदावार में आई भारी गिरावट की जानकारी है;

(ख) क्या प्रभावित किसानों को सहायता देने के लिए कोई उपाय किए जा रहे हैं;

(ग) क्या आपूर्ति श्रृंखलाओं को स्थिर करने और किसानों के लिए उचित लाभ सुनिश्चित करने हेतु किन्हीं कदमों पर विचार किया जा रहा है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके कारण क्या हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (घ) राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, आंध्र प्रदेश राज्य में एसिड लाइम की खेती की जाती है। राज्य में एसिड लाइम की खेती लगभग 0.45 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में होती है, जिसका कुल उत्पादन लगभग 9.07 लाख मीट्रिक टन है। एसिड लाइम की खेती करने वाले प्रमुख जिलों में एलुरु, पूर्वी गोदावरी, नेल्लोर, वाईएसआर कडपा और तिरुपति शामिल हैं। राज्य में एसिड लाइम की कीमत कई कारकों से प्रभावित होती है, जैसे कि रायलसीमा में एसिड लाइम की खेती का विस्तार, क्योंकि किसान कम लाभप्रद मीठे संतरे की फसल के बदले एसिड लाइम की खेती कर रहे हैं; अनुकूल जलवायु परिस्थितियों और भूजल की बेहतर उपलब्धता के कारण चालू मौसम में अधिक उत्पादन; जूस प्रसंस्करण के लिए वैकल्पिक फलों की उपलब्धता के कारण उत्तर भारतीय बाजारों से कम मांग; और कडपा, चितवेल और राजमपेट जैसे क्षेत्रों से गुडूर सहित प्रमुख बाजारों में आवक में वृद्धि।

नींबू उगाने वाले किसानों की सहायता करने के लिए, जिला प्रशासन ने नींबू के लिए क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित की हैं ताकि किसानों और व्यापारियों के बीच सीधा संपर्क स्थापित हो सके और कीमतों का बेहतर निर्धारण हो सके। किसानों को गुणवत्ता सुधार के उपायों और चरणबद्ध कटाई पद्धतियों के संबंध में भी शिक्षित किया गया है ताकि बाजार में बहुलता से बचा जा सके और बेहतर लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

*****